नए एयरपोर्ट के पास एयरो सिटी का काम पीपीपी मॉडल पर शुरू

कानपुर को पंख लगाएगी एयरो और नॉलेज सिटी

■ NBT रिपोर्ट, कानपुर

कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने न्यू चकेरी हवाई अड्डे के पास एयरो सिटी और आईआईटी कानपुर के पास नॉलेज सिटी परियोजनाओं का काम शुरू कर दिया है। इन दोनों परियोजनाओं की संयुक्त लागत 1240 करोड़ रुपये आंकी गई है। कानपुर को आवासीय, वाणिज्यिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में एक नया केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। ये परियोजनाएं शहर को आर्थिक प्रगति देने के साथ रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास में भी मददगार होगी।

शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देगी नॉलेज सिटी

केडीए, आईआईटी कानपुर के पास ही नॉलेज सिटी विकसित कर रहा है। यह परियोजना शिक्षा और अनुसंधान का नया केंद्र बनेगी। 359 एकड़ में बस रही नॉलेज सिटी परियोजना की लागत लगभग 880 करोड़ रुपये है। इसका काम भी पीपीपी मॉडल पर होगा। नॉलेज सिटी में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), तकनीकी विश्वविद्यालय, अनुसंधान केंद्र, जैव-प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान संग्रहालय और प्रशिक्षण संस्थान जैसे प्रमुख प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित हैं। जो कानपुर को शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के हब के तौर पर विकसित करेगा। नॉलेज सिटी के पास बन रही आउटर रिंग रोड और 60 मीटर चौड़ी रोड इस क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। आईआईटी कानपुर से नजदीकी के कारण यह परियोजना शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित होगी।

आईआईटी के पास नॉलेज सिटी का काम भी शुरू हुआ

₹1240 करोड़ है दोनों परियोजनाओं की लागत

एयरो सिटी

एजेंसीः केडीए

लागतः ₹360 करोड़

क्षेत्रफलः 300 एकड़

स्थानः न्यू चकेरी हवाई अड्डा

विकास मोड पीपीपी

उपयोग : आवासीय और वाणिज्यिक

कनेक्टिविटी एनएच-34 से सीधी पहुंच

नॉलेज सिटी

एजेंसी केडीए

लागत ₹880 करोड़ (भूमि अधिग्रहण सहित)

क्षेत्रफल 359 एकड़

स्थान IIT कानपुर के निकट

विकास मोड पीपीपी

उपयोग संस्थागत (NID, तकनीकी विश्वविद्यालय, अनुसंधान केंद्र, जैव-प्रौद्योगिकी, विज्ञान संग्रहालय)

कनेक्टिविटी बाहरी रिंग रोड और 60 मीटर चौड़ी सड़क, प्रस्तावित आउटर रिंग रोड

एयरपोर्ट के पास बनेगा मेट्रोपॉलिटन टाउन

मुख्यमंत्री के विजन के मुताबिक केडीए न्यू चकेरी हवाई अड्डे के पास 360 करोड़ रुपये की लागत से एयरोट्रोपोलिस, एयरो सिटी का निर्माण करा रहा है। 300 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहे प्रॉजेक्ट का निर्माण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर होगा। एयरो सिटी, एयरोट्रोपोलिस बनाने का मकसद एयरपोर्ट के पास एक मेट्रोपॉलिटन टाउन का निर्माण करना है। यहां एक साथ आवासीय और वाणिज्यिक गतिविधियां चलेंगी। एनएच-34 से सीधी कनेक्टिविटी भी है। चरणबद्ध विकास के तहत अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना हवाई यातायात बढ़ने और क्षेत्र में बढ़ते आवागमन को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है।